ment the availability of paraffin wax. the Indian Oil Corporation Ltd., has been asked to make slack wax supplies to the extent of full genuine requirements of the slack wax refining units(producing paraffin wax) in certain States including West Bengal.

Studies are also presently under way by Madras Refineries Limited and Indian Oil Corporation for the manufacture of paraffin wax in the Madras and Barauni Refineries to further augment indigenous availability of paraffin wax.

(d) and (e). Some reports were received about prevalence of black market in paraffin wax and its availability in the open market. The State Governments were asked to exercise regular checks over the physical utilisation of quotas by allottees with a view to ensure that wax does not find its way in the open market. The States were also asked to take exemplary action against those quota holders who are found indulging in black market.

किऊल साहिबगंज लूप लाइन पर कलकत्ता जाने वाली रेल गाड़ियां

960. डा० रामजी सिंह : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) किऊल साहिबगंज लूप लाईन पर तिनसुखिया मेल को छोड़ कर, जो कि फरक्का की ओर जाती है; कुल कितनी एक्सप्रेस/यात्री गाड़ियां कलकत्ता जाती हैं ;

(ख) क्या इस सबसे पुराने लाईन पर अपर इंडिया एक्सप्रैस नामक एक साधारण गाड़ी के अलावा कोई गाड़ी नहीं चलती है ;

(ग) क्या सरकार का विचार इस मार्ग से हो कर दिल्ली से कलकत्ता तक एक और तेज चलने वाली गाड़ी चलाने का है; और

(घ) क्या इस क्षेत्र की लोकप्रिय कटवा यात्री गाड़ी, जिसे इस समय बन्द कर दिया गया है, ग्रीष्म कालीन से फिर से चालू कर दी जायेगी ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण) : (क) एक जोड़ी ।

(ख) 13/14 अपर इंडिया एक्सप्रैस गाड़ी सम्पूर्ण साहिबगंज लूप खण्ड पर चलती है । इसके अलावा इस खंड के कुछ भागों में 4 जोड़ी अन्य डाक/एक्सप्रैस गाड़ियां भी चलती हैं ।

(ग) जी नहीं ।

(घ) 333/334 हावड़ा-साहिबगंज सवारी गाड़ी का चालन क्षेत्र, परीक्षण के तौर पर 26-2-77 से भागलपुर तक बढ़ा दिया गया था । किन्तु यातायात कम होने के कारण इस परिवर्धित क्षेत्र में इस गाड़ी का चलाया जाना 1-10-1977 से बन्द कर दिया गया । इस गाड़ी को फिर से चलाने के प्रस्ताव की फिर से जांच की जा रही है ।

Diversion of Trains during Shri Sanjay Gandhi's Visit to Orissa

961. SHRI PADMACHARAN SAMANTASINHERA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government are aware that when Shri Sanjay Gandhi visited Orissa the 5 UP and 6 DN first passenger trains from Waltair to Puri did not come to Puri but went to Bhubaneshwar;

(b) if so, who gave illegal order for diverting the Waltair Puri train to Bhubaneswar;

(c) what action has been taken against the officers concerned; and

(d) the estimated loss incurred?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) to (d). Government of Orissa had requested for special trains to reach Bhubaneswar on 29-1-1977 ostensibly in connection with the "Chief Minister's meeting". 220 Waltair-Puri passenger was inter-alia diverted to Bhubaneswar. No loss was incurred on this account. As the arrangements were made at the specific request of the State Government, no action against railway officials was called for.

उर्वरकों का उत्पादन और आयात

962. श्री ज्ञानेश्वर प्रसाद यादव : क्या पेट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1977–78 के दौरान देश में कुल कितने उर्वरकों का उत्पादन हुआ और कितने टन उर्वरकों का आयात किया गया; और

(ख) क्या उर्वरकों की सप्लाई के मामले में सरकार का किसानों को कुछ रियायतें देने का प्रस्ताव है ?

पेट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनेश्वर मिश्र) : (क) 1977–78 के दौरान पोष्टिकों के रूप में उर्वरकों का आयात और अनुमानित उत्पादन इस प्रकार है :—

	एन०	पी०	के०
उत्पादन (अनुमानित)	20.50	6.70	पोटाश के ० ओ का देशी उत्पादन नही हुआ है ।
आयात (जनवरी, 1978 तक)	5.42	1.52	4.78

(ख) सरकार की पहले ही यह नीति रही है कि उर्वरकों को समय पर पर्याप्त मात्रा में उचित मूल्यों पर उपलब्ध कराया जाय। इसको ध्यान में रख कर 18–7–1975 से कई बार मूल्य पहले ही कम किए गये हैं और वितरण पद्धति को कारगर बना दिया गया है। यूरिया के मूल्य में अन्तिम कटौती 12–10–77 को की गई थी।

मुरादाबाद-सम्भल चंदौसी लाइन पर ऊपरि पुल

963. श्री महो लाल : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मुरादाबाद सिटी में मुरादाबाद सम्भल चंदौसी रेल लाइन पर ऊपरिपुल के निर्माण की योजना कब से सरकार के विचाराधीन है ;

(ख) इस प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन कब किया गया था ; और

(ग) इस कार्य के लिए राज्य सरकार और उनके मंत्रालय द्वारा पृथक्-पृथक् कितनी धनराशि नियत की गई है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण) : (क) दिसम्बर, 1975 में राज्य सरकार से एक निश्चित प्रस्ताव विचारार्थ प्राप्त हुआ था। सार-अनुमान